

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 270] No. 270] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 22, 2014/ज्येष्ठ 1, 1936 NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 2014/JYAISTHA 1, 1936

वित्त मंत्रालय

(रक्षोपाय महानिदेशालय)

(सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद कर)

रक्षापोय जांच संबंधी नोटिस

नई दिल्ली, 22 मई, 2014

[सीमा शुल्क प्रशुल्क (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं आकलन) नियमावली, 1997 के नियम 6 के अंतर्गत]

विषय: भारत में 3000 से 4000 व्यूहाणु वजन के फ्लेक्सिबल स्लैबस्टाक पालिओल के आयातों से संबंधित रक्षोपाय जांच की शुरूआत।

सा.का.िन 349(अ). —सीमा शुल्क प्रशुल्क (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं आकलन) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत मेरे समक्ष एक आवेदन पत्र मैसर्स मनाली पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड, चेन्नई द्वारा, अपने अधिवक्ता मैसर्स ए पी जे-एस एल जी ला आफिसेस के माध्यम से, भारत में 3000 से 4000 व्यूहाणु वजन के फ्लेक्सिबल स्लैबस्टाक पालिओल (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) पर रक्षोपाय शुल्क का अधिरोपण करने के लिए दायर किया गया है जिससे इस विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों की भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के संवर्धित आयातों के द्वारा कारित की जा रही गम्भीर क्षति/गम्भीर क्षति की चनौती से रक्षा की जा सके।

2. घरेलू उद्योग: मैसर्स मनाली पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड, जिसके चेन्नई में दो विनिर्माण संयंत्र (संयंत्र 1 और संयंत्र 2) हैं, इस मामले में घरेलू उद्योग बनने वाला एकमात्र आवेदक है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने वाले भारत में एक मात्र उत्पादक हैं और इसलिए वर्तमान याचिका दायर करने का उनका आधार बनता है।

2142 GI/2014 (1)

3. अन्तर्ग्रस्त उत्पाद: वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) 3000 से 4000 व्यूहाणु वजन का फलेक्सिबल स्लैबस्टाक पालिओल है। यह एक स्वच्छ आलग तरल (विस्कोस लिक्बिड) है, जिसका विनिर्माण प्रोपायलीन आक्साइड और इथायलीन आक्साइड का ट्रिओ चैन स्टार्टर का पालीयराइजेशन करके किया जाता है। यह एक पालीईथर है और यह कैटालिस्ट एवं संवर्धकों के साथ प्रतिक्रिया करके अपहोल्स्टरी, चटाइयों, तिकया, बोल्स्टर्स, परिवहन सीटिंग और पैकेजिंग में प्रयोग होने वाले पालीयूरीथीन फोम का उत्पादन करता है।

इस विचाराधीन उत्पादकों सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के सीमा शुल्क उपशीर्षक संख्या 39072010 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।

- **4. जांच की अवधि (पी ओ आई):** आवेदकों ने वर्तमान आवेदनपत्र के प्रयोजनार्थ वर्ष 2010-11 से वर्ष 2013-14 तक के आंकड़ों पर विचार किया है। आवेदकों ने वर्ष 2010-11 से 2013-14 तक के सभी आंकड़ों को प्रस्तुत किया है। चयन की जांच की अवधि वर्ष 2010-11 से वर्ष 2013-14 हैं जो बाजार की स्थिति पर विचार करने तथा रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण की जरूरत का सुनिश्चयन करने के लिए काफी लम्बी अवधि है।
- 5. सूचना का स्रोत: इस विचाराधीन उत्पाद के लिए आयात आंकड़े निदेशालय में प्राप्त डी जी सी एस की मासिक सी डी में प्रदान कराए गए डी जी सी आई एस से लिए गए हैं। चूंकि वर्ष 2013-14 के आयात आंकड़े इस निदेशालय में केवल दिसम्बर 13 तक के लिए ही उपलब्ध हैं, इसलिए उनको ही उपलब्ध नौ महीनों के लिए वार्षिकीकृत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2010-11 से वर्ष 2013-14 तक की अविध के लिए अन्य रक्षोपाय आर्थिक पैरामीटरों से संबंधित आंकड़ों को जरूरी समझी गई सीमा तक आवेदक की विनिर्माण यूनिटों का स्थल सत्यापन करके सत्यापित आंकड़ों को क्षित विश्लेषण के लिए विचारार्थ लिया गया है।
- 6. सम्वर्धित आयात (समग्र एवं संगत रूप से): इस विचाराधीन उत्पाद का भारत में कई देशों से और प्राथमिकता सिंगापुर, नीदरलैंड, यू एस ए, कोरिया आर पी, थाइलैंड और ताइवान से आयात किया जाता है। इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप से कुल उत्पादन की तुलना में बढ़ने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। वित्तीय वर्ष 2010-11 से वर्ष 2013-14 तक इस विचाराधीन उत्पाद का आयात और उत्पादन निम्नवत है:

वित्तीय वर्ष	कुल अर्थात (एम टी)	अखिल भारतीय उत्पादन (एम टी)	कुल मांग (एम टी)	उत्पादन के % के रूप में आयात
2010-11	46,121	16,510	62,736	279
2011-12	36,898	18,381	55,090	201
2012-13	42,026	13,986	55,477	300
2013-14	54,567	13,811	68,040	395
	(वार्षिकीकृत)			

आयातों में आधार वर्ष 2010-11 की तुलना में वर्ष 2011-12 में कुछ गिरावट आई। तथापि, तत्पश्चात वर्ष 2012-13 में आयातों में प्रपाती वृद्धि होकर वे 42026 एम टी तथा पुन: वर्ष 2013-14 (वार्षिकीकृत) में बढ़कर 54567 एम टी हो गए। इस प्रकार आयातों में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2013-14 (वार्षिकीकृत) में 18 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में आयात जो वर्ष 2010-11 में 279% था बढ़कर वर्ष 2013-14 (वार्षिकीकृत) में 395% हो गये।

7. **क्षति:** आवेदक ने दावा किया है कि इस विचाराधीन उत्पाद के सम्वर्धित आयातों ने इस विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों को निम्नलिखित कारकों से क्षति पहुँचाई है और क्षति की चुनौती उत्पन्न कर दी है:

(क) *उत्पादन* : घरेलू उद्योग का उत्पादन जो आधार वर्ष 2010-11 में 16510 एम टी था घटकर वर्ष 2013-14 में 13811 एम टी रह गया।

वर्ष	मात्रा (एम टी)
2010-11	16,510
2011-12	18,381
2012-13	13,986
2013-14	13,811

(ख) *क्षमता उपयोग*: घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जो आधार वर्ष 2010-11 में 90% था वर्ष 2013-14 की अत्यधिक अभिनव अविध के लिए घटकर 55% रह ही गई।

वर्ष	संस्थापित क्षमता	क्षमता उपयोग (%)
	(एम टी)	
2010-11	18,375	90
2011-12	25,000	74
2012-13	25,000	56
2013-14	25.000	55
(वार्षिकीकृत)	25,000	55

(ग) घरेलू मांग में घरेलू उत्पादक का हिस्सा: घरेलू उत्पादक के बाजार हिस्से चालू वर्ष में गिरावट आई है। आवेदक का बाजार हिस्सा वर्ष 2010-11 में 26% और वर्ष 2012-13 में 24% था, घटकर वर्ष 2013-14 में 20% रह गया। आधार वर्ष से भी, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा चालू वर्ष में 24% रह गया जब कि यह आधार वर्ष में 26% था। आयातों का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2010-11 में 74% था बढ़कर 2013-14 में 80% हो गया।

वित्तीय वर्ष	कुल आयात (एम टी)	घरेलू उपयोग की बिक्री (एम टी)	कुल मांग (एम टी)	बाजार हिस्सा (%)		माल सूची (एम टी)
				घरेलू उद्योग	आयात	
2010-11	46,121	16,615	62,736	26	74	244
2011-12	36,898	18,192	55,090	33	67	384
2012- 13	42,026	13,451	55,477	24	76	872
2013-14	54,567 (वार्षिकीकृत)	13,473	68,040	20	80	463

⁽घ) *बिक्री के स्तर में परिवर्तन*: यद्यपि घरेलू उघोग की बिक्री में वर्ष 1010-11 की तुलना में वर्ष 2011-12 में वृद्धि हुई परन्तु यह वर्ष 2010-11 में 16615 एम टी से घटकर वर्ष 2013-14 में 13473 एम टी रह गई। यह स्पष्टत: दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को सम्बर्धित आयातों द्वारा बिक्री, बाजार हिस्सा में क्षति पहुँचाई गयी।

(ङ) लाभ/हानि: घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में ऐसी स्थिति तक प्रपाती गिरावट आई कि इसे अब वित्तीय घाटा हो रहा है। यह अधोलिखित तालिका से स्पष्ट है:

वित्तीय वर्ष	लाभ/(हानि) (रुपये/लाख) (अनक्रमित)
2010-11	100
2011-12	324
2012-13	(331)
2013-14	(559)

(च) *माल सूची*: चालू वर्ष 2013-14 में घरेलू उद्योग की मालसूची 463 एम टी थी जबकि यह आधार वर्ष में 244 एम टी थी। यह निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है:-

वित्तीय वर्ष	वर्ष की समाप्ति पर मालसूची (एम टी)
2010-11	244
2011-12	384
2012-13	872
2013-14	463

(छ) रोजगार एवं उत्पादकता: रोजगार में सभी वर्षों में अर्थात् वर्ष 2011-12, 2012-13 और 2013-14; आधार वर्ष की तुलना में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। उत्पादकता में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2013-14 में मामूली सी वृद्धि हुई है। यह निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है:-

वित्तीय वर्ष	वर्ष की समाप्ति पर कर्मचारियों की संख्या	उत्पादकता प्रति कर्मचार (एम टी)
2010-11	358	46
2011-12	332	55
2012-13	310	45
2013-14	292	47

- 8. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन-पत्र में तीन वर्षों की अवधि के लिए रक्षोपाय शुल्क तत्काल अधिरोपित करने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पादक के बढ़ते आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में गंभीर गिरावट को देखते हुए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क अधिरोपित करने का अनुरोध भी किया है।
- 9. आवेदन की जांच की गई है और प्रथम दृष्टया यह पाया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते आयातों से इस विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों को क्षति हुई है या गंभीर क्षति की चुनौती उत्पन्न हो गयी है और आयातों, में इस वृद्धि ने घरेलू उद्योग को अपूरणीय क्षति बढ़ गई है और तदनुसार इस नोटिस के जिरए एक जांच शुरू का निश्चय किया गया है।
- **10.** सभी हितबद्ध पक्षकार इस नोटिस की तारीख से 30 दिनों की अवधि के अंदर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं:-

महानिदेशक (रक्षोपाय)

भाई वीर सिंह साहित्य सदन, द्वितीय तल भाई वीर सिंह मार्ग, गोल मार्केट नई दिल्ली – 110001, भारत

टेलीफेक्स :- 011-23741542/23741537

e-mail: dgsafeguards@nic.in

- 11. सभी हितबद्ध पक्षकारों को अलग से सम्बोधित किया जा रहा है।
- 12. कोई अन्य पक्षकार जो यह चाहता है कि उसे हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना जाए अपना अनुरोध इस तरह प्रस्तुत कर सकता है जिससे कि वह इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों के अंदर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास उपर्युक्त पते पर पहुंच जाए।
- 13. सीमाशुल्क प्रशुल्क (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं उसका आकलन) नियमावली, 1997 के नियम 6(7) में दी गई शर्तों के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार इस नोटिस की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ युक्त सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

[फा. सं. डी-22011/04/2014]

आर. के. सिंगला, महानिदेशक

MINISTRY OF FINANCE

DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd May, 2014

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

Sub: Initiation of safeguard investigation concerning imports of Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000 to 4000 into India.

- **G.S.R.** 349(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by M/s. Manali Petrochemicals Ltd, Chennai through their consultant M/s. APJ-SLG Law Offices for imposition of Safeguard Duty on imports of Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000 to 4000 (hereinafter referred to as PUC) into India to protect the domestic producers of PUC against serious injury/threat of serious injury caused by the increased imports of PUC into India.
- 2. **Domestic Industry**: M/s. Manali Petrochemicals Ltd. having two manufacturing plants at Chennai (Plant 1 and Plant 2) are the sole applicant constituting domestic industry in this case. The domestic industry have claimed that they are the only producer of PUC in India and thus they have the standing to file the present petition.
- **3. Product Involved**: The product under consideration (PUC) in the present case is Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000 to 4000. It is a clear viscous liquid, manufactured by polymerization of propylene oxide and ethylene oxide with a trio chain starter. It is a polyether and on reaction with catalysts

and additives yields polyurethane foams used in upholstery, mattresses, pillows, bolsters, transport seating and packaging. The PUC is transported in tankers or stored in steel drums.

PUC is classified under Customs sub-heading Nos. 39072010 of Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975.

- 4. **Period of Investigation (POI):** The applicants for the purpose of the present application have considered the data for the period from 2010-11 to 2013-14. The applicants have submitted all the data from 2010-11 to 2013-14. The period for investigation selected is 2010-11 to 2013-14 which is long enough in order to take into consideration the market conditions and to ascertain the need of imposition of Safeguard Duty.
- 5. **Source of information:** The import data for the product under consideration has been taken from DGCIS as provided in the monthly CDs of DGCIS received in the Directorate. Since the import data for 2013-14 is available up to Dec. 13 only in the Directorate, the same has been annualized from available nine months. Further, the data pertaining to other safeguard economic parameters for the period from 2010-11 to 2013-14 has been verified to the extent necessary, through onsite verification of the manufacturing units of the applicant and such verified data for the POI has been taken into consideration for injury analysis.
- 6. **Increased Imports** (**Absolute & in relative terms**): PUC is imported into India from a number of countries, and primarily from Singapore, Netherland, USA, Korea RP, Thailand and Taiwan. The imports of PUC have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the total production. The imports and production of PUC during financial year 2010-11 to 2013-14 remained as under:-

Financial Year	Total Imports (MT)	All India Production (MT)	Total Demand (MT)	
2010-11	46,121	16,510	62,736	279
2011-12	36,898	18,381	55,090	201
2012-13	42,026	13,986	55,477	300
2013-14	54,567 (annualized)	13,811	68,040	395

The Imports have slightly declined in 2011-12 vis-à-vis the base year 2010-11. However, thereafter imports have surged steeply to 42,026 MT in the year 2012-13 and further to 54,567 MT in the year 2013-14 (annualized). Therefore, imports have increased by 18% in the year 2013-14 (annualized) when compared to the base year. Further the import as a percentage of domestic production have increased to 395% in 2013-14 (annualized) from 279% in 2010-11.

7. Injury: The applicant have claimed that the increased imports of PUC have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producer of PUC as indicated by the following factors: (a) *Production*: The production of the domestic industry has declined in 2013-14 to 13811 MT vis-à-vis the base year 2010-11 when it was 16,510 MT.

YEAR	QTY(MT)
2010-11	16,510
2011-12	18,381
2012-13	13,986
2013-14	13,811

(b) *Capacity Utilization*: Capacity utilization of the domestic industry has declined in the most recent period of 2013-14 to 55% from the base year 2010-11 when it was 90%.

YEAR	Installed	Capacity
	Capacity (MT)	utilized (%)
2010-11	18,375	90
2011-12	25,000	74
2012-13	25,000	56
2013-14(annualized)	25,000	55

(c) *Share of domestic producer in domestic demand*: Market share of domestic producer has fallen in current year. Applicant had a market share of 26% in 2010-11 and 24% in 2012-13 which fell to 20% during 2013-14. From base year also, market share of DI fell to 20% in current year vis-à-vis 26% in base year. The market share of imports increased from 74% in 2010-11 to 80% in 2013-14.

Financial Year	Total Import (MT)	Sales of DI (MT)	Total Demand (MT)		Iarket are(%)	Inventories (MT)
				DI	Import	
2010-11	46,121	16,615	62,736	26	74	244
2011-12	36,898	18,192	55,090	33	67	384
2012- 13	42,026	13,451	55,477	24	76	872
	54,567					463
2013-14	(annualized)	13,473	68,040	20	80	

- (d) Changes in the level of Sales: Though the sales of the domestic industry increased in 2011-12 as compared to the year 2010-11, it declined from 16,615 MT in 2010-11 to 13473 MT in 2013-14. This clearly shows that the domestic industry suffered loss in sales, market share, caused by increased imports.
- (e) *Profit/loss* The profitability of the domestic industry has steeply deteriorated to such a situation that the domestic industry is now suffering financial losses. This is evident from the table below:-

Financial Year	Profit/(Loss) (Rs. /Lacs) (Indexed)
2010-11	100
2011-12	324
2012-13	(331)
2013-14	(559)

(f) Inventory- Inventory of the DI has accumulated very steeply in the current year 2013-14 to 463 MT visà-vis 244 MT in the base year. This is evident from the table below:

Financial Year	Inventory at the end of the year (MT)
2010-11	244
2011-12	384
2012-13	872
2013-14	463

(g) Employment & Productivity- Employment has shown a declining trend in all the years i.e. 2011-12, 2012-13 and 2013-14 vis-à-vis the base year. Productivity has marginally increased in 2013-14 vis-à-vis the base year. This is evident from the table below:

Financial Year	Number of employees at the end of the year	Productivity per employee (MT)
2010-11	358	46
2011-12	332	55
2012-13	310	45
2013-14	292	47

- **8.** The domestic industry has requested for immediate imposition of safeguard measures for a period of three years in their application. The domestic industry has also requested for imposition of provisional safeguard duty in view of steep deterioration in performance of the domestic industry as a result of increased imports of PUC.
- 9. The application has been examined and it has been found that prima facie increased imports of PUC have caused or are threatening to cause serious injury to the domestic producers of PUC and such increase in imports has caused irreparable damage to the domestic industry and accordingly, it has been decided to initiate an investigation through this notice.
- **10.** All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)

Bhai Vir Singh Sahitya Sadan: 2nd Floor,

Bhai Vir Singh Marg,

Gole Market, New Delhi-110 001, INDIA.

Telefax: 011-23741542/ 23741537

E-mail: dgsafeguards@nic.in

- 11. All known interested parties are also being addressed separately.
- 12. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 15 days from the date of this notice.
- 13. In terms of Rule 6(7) of Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997, any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by the other interested parties after the expiry of 30 days from the date of this notice.

[F. No. D-22011/04/2014]

R K SINGLA, Director General